# छोटा मुस्लिम

एक ऐसी पुस्तिका जिसमें छोटे मुस्लिम बच्चों के लिए
इस्लाम के मूल आधार एवं नैतिकता के सिद्धांत
शामिल हैं

Elaborado por un grupo de médicos de Argelia
Crea un sitio web para jugar y aprender

www.alsarhaan.com

بسم الله الرحمن الرحيم

# भाग 1

# मेरा ईमान

मैं मुसलमान हूँ

## अल्लाह तआला मेरा रब व पालनहार है।
## मुहम्मद सल्लल्लाहु अलैहि व सल्लम मेरे नबी हैं।
## इसलाम मेरा धर्म है।

**मैं अल्लाह तआला से प्रेम करता हूँ :**
**क्योंकि वह समस्त संसार का रब व पालनहार है, बड़ा कृपाशील अत्यंत दयावान है, प्रतिकार (बदले) के दिन का मालिक व स्वामी है।**
**क्योंकि उसी ने मुझे पैदा किया, वही मुझे जीविका प्रदान करता है और उसी ने मुझे मुसलमान बनाया है।**

Dijo El exaltado sea:

En el nombre de Dios, El Compasivo, El Misericordioso. 1
.Todas las alabanzas son para Dios El Señor de todo cuanto existe 2
El Compasivo, El Misericordios 3
.Soberano del Día del Juicio Final 4
.Solo a Ti te adoramos, solo en Ti buscamos ayuda 5
!Guíanos por el camino recto! 6
El camino de aquellos que Tú has favorecido, ni el de aquellos que han incurrido
.en Tu ira, ni el de los que se extraviaron 7

(!!!)

.الفاتحة

क्योंकि अल्लाह तआला ने उन्हें हमारे लिये रसूल बना कर भेजा, आप ने हमें अल्लाह की पहचान कराई तथा हमें क़ुरआन सिखाया। क्योंकि आप सल्लल्लाहु अलैहि व सल्लम बड़े दयावान व करुणामय हैं, आप नैतिकता (सदाचार, शिष्टाचार) के बड़े उच्च स्थान पर विराजमान हैं, आपके गुण बड़े सुंदर व मनभावन हैं,

अल्लाह तआला ने आपकी प्रशंसा करते हुए फरमाया हैः

« Eres de eminente carácter. (!!!)»

القلم 68:4

एक स्थान पर अल्लाह तआला आपकी प्रशंसा यों करता हैः

«

## ईमान वालों के लिए अति करुणामय दयावान हैं

»

التوبة 9:128.

# अल्लाह तआला का फ़रमान है:

:

1 Te he agraciado con la abundancia.
2 Reza a tu Señor y sacrifica (los animales en Su nombre).
3: 3 Porque a quien te desdeñe y odie le privare de todo bien.(!!!)

سورة الكوثر

## मैं अपने धर्म इसलाम से प्रेम करता हूँ

क्योंकि यही वह सत्य धर्म है जिसे अल्लाह तआला ने हमारे लिए चुना है और जिससे वह प्रसन्न है, तथा हमारे नबी मुहम्मद सल्लल्लाहु अलैहि व सल्लम इसे ही ले कर अवतरित हुए थे।
क्योंकि जिसने इस धर्म का पालन किया वह जन्नत (स्वर्ग) में प्रवेश पायेगा, और जिसने इस धर्म का अनुपालन नहीं किया वह जहन्नम (नरक) में जायेगा।

# अल्लाह तआला का फ़रमान है:

1 Juro por el tiempo.
.que los seres humanos están en la perdición 2
excepto aquellos que crean, obren rectamente, y se 3
.aconsejen mutuamente con la verdad y con la paciencia
(!!!)

العصر

## इसलाम के स्तंभ पाँच हैं

1- “ला इलाहा इल्लल्लाह” व “मुहम्मद रसूलुल्लाह -सल्लल्लाहु अलैहि व सल्लम-” (अर्थात अल्लाह तआला के सिवा कोई सच्चा पूज्य नहीं तथा मुहम्मद सल्लल्लाहु अलैहि व सल्लम अल्लाह के रसूल -दूत- हैं, इस) की गवाही देना।

2- नमाज़ क़ायम करना (पढ़ना)

3- ज़कात देना।

4- रमज़ान के रोज़े रखना।

5- बैतुल्लाह (ख़ाना -ए- काबा) का हज करना।

## ईमान के स्तंभ छः हैं

1- अल्लाह तआला पर ईमान रखना।

2- फ़रिश्तों पर ईमान रखना।

3- (अल्लाह की) किताबों पर ईमान रखना।

4- रसूलों पर ईमान रखना।

5- आख़िरत के दिन (मरणोपरांत जीवित होने) पर ईमान रखना।

6- तक़दीर (भाग्य) की अच्छाई व बुराई पर ईमान रखना।

**मैं प्रत्येक उस चीज़ से प्रेम रखता हूँ जिससे अल्लाह एवं उसके रसूल प्रेम रखते हैं।**

**मैं हर उस चीज़ से घृणा करता हूँ जिससे अल्लाह एवं उसके रसूल घृणा करते हैं।**

# भाग 2

# मेरी नमाज़

अल्लाह तआला जिसका कोई साझी नहीं है ने हमें केवल अपनी इबादत व पूजा के लिए पैदा किया है, अतः हम उसके सिवा किसी और की पूजा नहीं करते हैं, एवं उस -पाक, पवित्र तथा उच्च स्थान वाले- के सिवा किसी अन्य से किसी प्रकार की दुआ व प्रार्थना इत्यादि नहीं करते हैं।

Alabado sea. !!!

# 5 सबसे महत्वपूर्ण इबादत व पूजाः नमाज़ है। और फ़र्ज़ नमाज़ें पाँच हैं

| | | |
|---|---|---|
| फज्र की | 2 | मैं इसे दो रकअत पढ़ता हूँ। |
| ज़ुह्र की | 4 | मैं इसे चार रकअत पढ़ता हूँ। |
| अस्र की | 4 | मैं इसे चार रकअत पढ़ता हूँ। |
| मग़रिब की | 3 | मैं इसे तीन रकअत पढ़ता हूँ। |
| इशा की | 4 | मैं इसे चार रकअत पढ़ता हूँ। |

मैं सभी नमाज़ें उसके तय समय के अंदर ही पढ़ता हूँ, तथा इसे ख़ुशूअ (पूरी श्रद्धा) के साथ अदा करता हूँ।

नमाज़ पढ़ने के पूर्व मैं वुज़ू करता हूँ, वुज़ू के बिना मैं कोई नमाज़ नहीं पढ़ता।

# भाग 3

## मेरे अख़लाक़ (शिष्टाचार, सदाचार)

अल्लाह तआला शिष्टाचार को पसंद करता है जब्कि अशिष्टाचार से घृणा करता है।
नबी सल्लल्लाहु अलैहि व सल्लम इस लिए अवतरित किये गये थे कि शिष्टाचार को पूर्ण करें।
अतः मेरे लिए अपरिहार्य है कि मैं स्वयं को शिष्टाचार जैसे सद्गुण से सुशोभित करूँ

जैसे सत्यवादिता का पालन करना, वफ़ादारी करना, अमानतदारी का ख्याल रखना, बहादुर बनना, दान-पुण्य करना, अच्छी वाणी बोलना, शिक्षक का आदर करना एवं बड़ी आयु वालों का सम्मान करना।
तथा दुराचार एवं अशिष्टाचार से मैं दूर रहता हूँ :

जैसे झूठ बोलना, ख़्यानत (विश्वासघात) करना, कमज़ोरी दिखाना, कंजूसी करना, बुरी वाणी बोलना एवं लोगों का अनादर करना।

**नबी सल्लल्लाहु अलैहि व सल्लम ने फ़रमाया:**

क़्यामत (महाप्रलय) के दिन मेरे सबसे निकट वह व्यक्ति होगा, जो संसार में सबसे अच्छे अख़लाक़ (शिष्टाचार) वाला रहा होगा

# समाप्ति

ज्ञानः प्रकाश है, जब्कि अज्ञानताः अंधकार है।
अतः ज्ञान अर्जित करने के लिए मैं कठिन परिश्रम करता हूँ, विद्या सीखने के लिए मैं सदैव तत्पर रहता हूँ, ताकि मेरा रब व पालनहार मुझसे प्रसन्न हो जाये एवं मुझे जन्नत (स्वर्ग) में प्रवेश दिला दे।
: अज़्कार (अल्लाह का स्मरण करना) मोमिन की ढ़ाल है
अतः इसी कारणवश मैं प्रातः काल एवं सायंकाल में इन से संबंधित दुआएं पढ़ने का विशेष ध्यान रखता हूँ, इन्हीं में से ये अज़्कार हैं :
आयतुल कुर्सी पढ़ना, सूरह इख़्लास़ तथा मुअव्वज़तैन (सूरह फ़लक़ व सूरह नास) पढ़ना।
दुआ करना कामयाबी एवं सफलता की कुंजी है।
अतः मैं अल्लाह तआला से हर समय बारंबार दुआ करता रहता हूँ : जैसे सज्दा की स्थिति में, अज़ान के पश्चात एवं रात्रि में।

## मैं निम्नांकित दुआएं करता हूँ :

(अल्लाहुम्मा एहदिनी व सद्दिदनी) हे अल्लाह! तू मुझे हिदायत दे व सीधा मार्ग दिखा।

(अल्लाहुम्मा ज़िदनी इल्मा) हे अल्लाह! तू मेरे ज्ञान में बढ़ोतरी कर दे।

(अल्लाहुम्मग़फ़िरली व लिवालिदैय्या, वर्हम्हुमा) हे अल्लाह! तू मुझे एवं मेरे माता-पिता को क्षमा कर दे, तथा उन पर दया कर।

अल्लाहुम्मा आतेनी फ़िद्दुनिया ह़सना, व फ़िल आख़िरति ह़सना, व क़िनी अज़ाबन्नार) हे) अल्लाह! तू मुझे संसार की समस्त भलाई एवं कल्याण देने की कृपा कर, एवं आख़िरत (परलोक) की समस्त अच्छाई एवं कल्याण से नवाज़ दे, तथा जहन्नम (नरक) की अग्नि से मेरी रक्षा कर।

अल्लाह तआला की मदद व सहायता से

यह पुस्तिका सम्पन्न हुई।

समस्त प्रकार की प्रशंसाएं अल्लाह ही के लिए हैं।

अरबी में छोटा मुसलमान। शेख हैथम सरहान के निर्देशन में गेम और स्टूडियो वेबसाइट पर पोस्ट किया गया।

यह किताब बच्चों को इस्लाम के सिद्धांत और सही व्यवहार सिखाती है।

पुस्तक एक मजेदार तरीके से लिखी गई है जो सामग्री में रुचि जगाती है और इसे विशेष रूप से आकर्षक बनाती है।